HISTORY

B.A.PART-I (Hons)

Paper-II (The Rise of Modern west)

Unit-I, (Results of The Reformation Movement)

Dr. GUDDY KUMARI

(Guest Lecturer), History Deptt.

A.N.D. College, Samastipur

Lecture Series - 70

"धर्मसुधार आंदोलन के परिणाम"

(Results of Reformation)

धर्म सुधार आंदोलन की शुरुआत जर्मनी से हुई। जर्मनी के मार्टिन लूथर किंग ने चर्च में सुधार हेतु धर्म सुधार आंदोलन को बढ़ावा दिया क्योंकि उस समय चर्च विलासिता और अय्याशी का केंद्र बिंदु बन गया था। जिसका विरोध मार्टिन लूथर किंग ने किया। धीरे-धीरे इंग्लैंड में भी धर्म सुधार आंदोलन को बढ़ावा मिला और इस तरह धर्म सुधार आंदोलन पूरे यूरोप में फैल

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)

गया। धर्म सुधार आंदोलन के फल स्वरुप एक नया वर्ग प्रोटेस्टेंट धर्म का उदय हुआ।

इस प्रकार धर्म सुधार आंदोलन के परिणाम निम्नलिखित थे-

(1) ईसाई चर्च की एकता समाप्त हो गई। प्रोटेस्टेन्ट धर्म स्थापित हुआ। इसके अन्तर्गत अनेक सम्प्रदाय । लूथरवाद, काल्विनवाद और ऐग्लिकन चर्च आदि स्थापित हुए।

(2) धार्मिक कट्टरता तथा अत्याचार में यूरोप में वृद्धि हुई। सभी सम्प्रदाय एक-दूसरे के कट्टर विरोधी थे और अपने शत्रुओं को नष्ट कर देना चाहते थे। राजाओं ने भी धार्मिक एकता को राजनीतिक एकता के लिए आवश्यक समझा और जघन्य अत्याचार किये।

(3) धार्मिक असहिष्णुता के कारण राज्यों के मध्य धर्म के नाम पर युद्ध हुए। पहले हॉलैण्ड का युद्ध था। तीस वर्षीय युद्ध धार्मिक कारणों से हुआ।

(4) कला को पोप पदाधिकारियों ने प्रोत्साहन दिया था। ऐसा प्रोत्साहन प्रोटेस्टेन्ट धर्म ने नहीं दिया। कला को उन्होंने धर्मनिरपेक्ष क्षेत्रों में विकसित किया।

Dr Guddu Kumari (A.N.D College)

(5) राजाओं की शक्ति में धर्म सुधार आन्दोलन से वृद्धि हुई। प्रोटेस्टेन्ट राजा पोप की सत्ता नहीं मानते थे। कैथोलिक राजा भी निरंकुश हो गये क्योंकि पोप उनकी सहायता पर निर्भर था।

(6) राष्ट्रीय भावना अधिक सुदृढ़ हुई। कैथोलिक राजाओं ने यद्यपि पोप का समर्थन किया किन्तु राष्ट्रीय हितों को उन्होंने अधिक महत्व प्रदान किया।

(7) पारिवारिक जीवन पर प्रभाव पड़ा। अब विवाह एक संविदा समझा जाता था जिसमें तलाक हो सकता था। इसके लिये वैवाहिक न्यायालय स्थापित किये गये।

(8) प्रोटेस्टेन्ट राजा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में आपस में सहयोग करने लगे। प्रोटेस्टेन्ट राजाओं ने भी गुट बनाने का प्रयास किया।

(9) शिक्षा का व्यापक प्रसार हुआ क्योंकि कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट दोनों अपने सिद्धांतों के प्रसार के लिए शिक्षा आवश्यक समझते थे।

धन्यवाद

Dr Guddy Kumari (A.N.D College)